IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, March 2023
Impact Factor: 7.301

महिला नेतृत्व की सामाजिक और आर्थिक स्थिति का अध्ययन

(रीवा जिले के त्रिस्तरीय पंचायती राज के विशेष संदर्भ में)

डॉ. (श्रीमती) शाहेदा सिद्दीकी

एसोसिएट प्राध्यापक, समाजशास्त्र, शास. टी.आर.एस. महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

डॉ. सतीश कुमार द्विवेदी

सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र, शासकीय महाविद्यालय, नादन जिला–सतना (म.प्र.)

शोध सारांश

पंचायती राज व्यवस्था ने स्त्रियों को पंचायतो की सहभागिता में आरक्षण प्रदान किया है। इस आरक्षण के कारण आज के पंचायती व्यवस्था के विभिन्न पदों पर है। इस व्यवस्था से ग्रामीण क्षेत्र में महिला जनप्रतिनिधियों की स्थिति क्या है और उनकी सामाजिक कल्याण में क्या भूमिका है? जिसके द्वारा ग्रामीण विकास कितना हुआ है? प्रस्तुत शोध पत्र में यह सबको जानना इस अध्ययन का मूल उद्देश्य है।

मुख्य शब्द :महिला, नेतृत्व, सामाजिक, आर्थिक स्थिति पंचायती राज, जनप्रतिनिध आदि।

संदर्भ ग्रन्थ सूची :–

[1]. अन्नू मेमन मजूमदार, सोशल वेलफेयर इन इण्डिया, बाम्बे एशिया, 1964
[2]. कौशिक, सुशीला, वुमैन एण्ड पंचायती राज, हर आनन्द पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 1993
[3]. कपूर, प्रमिलाः कामकाजी भारतीय नारी बदलते जीवन मूल्य और सामाजिक स्थिति, अनुवादक–रमेश नारायण तिवारी, राज पाल एण्ड संस, दिल्ली, 1976
[4]. गांधी, एम. के., ग्राम स्वराज, नवजीवन पब्लिशिंग हाऊस अहमदाबाद, 2014,
[5]. ए.एस. अल्तेकर, प्राचीन भारतीय शासन पद्धतियां (भारतीय भण्डार, इलाहाबाद 1948
[6]. एम.एन. श्रीवास्तव इण्डियाज विलेज एशिया पब्लिशिंग हाउस, बाम्बे 1961
[7]. भारत 2016 प्रकाशन केन्द्र भारत सरकार नई दिल्ली
[8]. श्रीवास्तव, अरूण कुमार, भारत मे पंचायती राज, आर.बी.एस.ए. पब्लिशर्स, जयपरु , 1994,
[9]. सुराणा राजकुमारी, भारत में लोकतान्त्रिक विकेन्द्रीकरण और नव–पंचायती राज, राज पब्लिशिंग हाऊस, जयपुर, 2000
[10]. बघेल डी.एस. (1990) भारतीय सामाजिक समस्याएं पुष्पराज प्रकाशन रीवा
[11]. भनौट, शिवकुमार, ''राजस्थान में पंचायत व्यवस्था'', यूनीवर्सिटी बुक डिपो, जयपुर, 2000
[12]. ओमन, टी.के.: पोलिटिकल लीडरशिप इन रुरल इण्डियन–इमेज एण्ड रियलिटि, एशियन सर्वे, वाल्यूम 9 (7), 1969
[13]. एस.एन.राना डे और पी.रामचन्द्रनः विमन एण्ड इम्प्लायमेन्ट, बॉम्बे टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ साइन्सेज, 1970
[14]. उषा मेहता : ''द इण्डियन विमेन एण्ड देयर पार्टीसीपेशन इन पालिटिक्स शोसल चेन्ज, वाल्यूम–8, नं.3, सितम्बर 1978.
[15]. महिपाल, पंचायतों में महिलाएँः सीमाएं और सम्भावनाएं, सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996।
[16]. जिला पंचायत रीवा से प्राप्त सांख्यिकीय आंकड़े वर्ष 2022।